चित्रःगूगल से साभार

खाई की नदी

एक नदी
जो खाई में है
जहाँ की पानी
बिल्कुल साफ है
आयने की तरह
जिसके अंदर की
हर एक चीज साफ
नजर आ रहे हैं,
कोशिश नाकाम हो रहा है
महसूस करने की
बावजूद भी
गहराई को
आंकना मुश्किल हो रहा है।
चाहकर भी
उतर नहीं पा रहा हूं
भीगने से
हिचकिचाहट नहीं है,
तैरने की
आदत नही है
बह नहीं जाऊँ कहीं
डर है।

राजु बड़ो
माजबाट, उदालगुड़ी (बि.ति.आर)